>

Title : Need to conduct a survey in various blocks of Nawada Parliamentary Constituency in Bihar to address the problem of drinking water.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, मैं आसन के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं बिहार के नवादा संसदीय क्षेत्र से आता हूं और जब मैं यहां आया हूं तो नवादा भी यहां उपस्थित है। आज मैं नवादा की उस पीड़ा को इस सार्वभौम सदन के सामने आंसुओं के अर्क के रूप में उपस्थित कर रहा हूं।

सभापति महोदय, नबादा में सिरदल्ला, मैस्कॉर, गोविन्दपुर, कोवाकोल, पकड़ी बरामा और रो, ये छः प्रखंड ऐसे हैं, जहां 20 लाख की आबादी है और इस आबादी के लिए, इन प्रखंडों में जमीन के नीचे पानी की लेयर नहीं है। आप सोच सकते हैं- जब पत्थर पिघलते हैं, इनकी दशा को देखकर, तो कुछ बून्दें गिरती हैं, उन्हीं से इनकी प्यास बुझती है।

महोदय, यह दुर्भाग्य की बात है कि 60 वर्षों की आजादी के बाद भी, यह सवाल, इस सदन में मुझे पेश करना पड़ रहा है। वहां तीन नदियां ढाढर, धनंजय और अपर सकरी हैं। ये नदियां प्रत्येक वर्ष बरसात में जन्म लेती हैं, युवा होती हैं, मर जाती हैं और सूख जाती हैं। इनके पानी को रोकने के लिए कोई डैम नहीं है।

महोदय, मैं इस पीड़ा को सिर्फ बखान करने के लिए यहां उपस्थित नहीं हूं। जब इस सार्वभौम सभा में हमने इस पीड़ा को रखा है और इस समय जो सरकार है, मैं उसे संवेदनशील मानता हूं। इसलिए वहां पानी की व्यवस्था करना उसकी भी जिम्मेदारी है। हम आपके माध्यम से सरकार से विनम्र आग्रह करना चाहते हैं कि वह नबादा जिले के इन प्रखंडों में एक टीम भेजे, उनका सर्वेक्षण कराए और सर्वेक्षण के बाद टीम से एक रिपोर्ट प्राप्त की जाए, जिसके आधार पर रिग मशीन भेज कर वहां पीने के पानी की व्यवस्था कराई जाए। मैं वहां के 20 लाख लोगों के आंसुओं को अर्घ्य के रूप में आसन के सामने मैं उपस्थित कर रहा हूं। नमस्कार।